

आइ० एम० सी० मितिग 26/4/2012 - 1/10
ही ति

आज दिनांक 30/4/2012 को आस० आई० यी० आई० विद्यालय
के पीएच० के मितिग इति जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित
हुए ।

1. स्व० श्री विनोद पिल्लारी
2. श्री यी० बोस
3. श्री राजेश श्रीवास्तव
4. श्री एस० के० मिया
5. श्री अनिल गाडिया
6. श्री यी० एस० पुन (ब० बाजार)
7. श्री रामकांत दुबे
8. श्री बी० के० साहू

(Signatures)
30/4
26/4/12

साथ ही निम्न एजेडा पर चर्चा हुई
① फिटर व्यवसाय के संबंधीकरण हेतु चर्चा

सचिव के द्वारा फिटर व्यवसाय के संबंधीकरण
चर्चा करते हुये आनीस सदस्यों के सम्मुख रखा कि रूप में
फिटर व्यवसाय में एक लेख महीन काम को दर्शाते हुये
संबंधीकरण नहीं किया गया था जिस पर अध्यक्ष महोदय ने
लेख महीन खरीद करे हेतु संचालक संचालनालय राजगार
एवं उधिसण से अनुमति हेतु कहा, जिसे सर्वसम्मति से
पास किया गया और सभी सदस्यों से अनुमति मिलने पर कद
करे हेतु सलाह दिया । जिसका शुभान उधिसणार्थीयो द्वारा सुभव
पेयी के लिखित रूप में प्राप्त था जिसका प्रकल का लेखा किया गया ।

② नवीन भवन में प्रारंभ किये जाने वाले नवीन व्यवसायों के संबंधीकरण हेतु चर्चा

सचिव द्वारा एजेडा विन्दु 2 पर चर्चा प्रारंभ करते
हुये बताया गया कि आई० एम० सी० द्वारा प्रारंभ किये जाने
वाले नवीन व्यवसाय के संबंधीकरण होना है जिस पर एनेचरणा
भरपुर संचालक संचालनालय राजगार एवं प्रशिक्षण सयपुर में
जका करे साथ ही सगरन्त आवश्यक कार्यवाही रणी किया जाके

आइ० एम० सी० मितिग 26/4/2012 - 1/10
ही ति

आज दिनांक 30/4/2012 को आस० आई० यी० आई० विद्यालय
के पीएच० के मितिग इति जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित
हुने ।

1. स्वामी विनोद पिल्लारी
2. श्री यी० बोस
3. श्री राजेश श्रीवास्तव
4. श्री एस० के० मिया
5. श्री अनिल गाडिया
6. श्री यी० एस० पुन (ब. बाजार)
7. श्री रामकांत दुबे
8. श्री बी. के. साहू

(Signatures)
30/4
26/4/12

साथ ही निम्न एजेडा पर चर्चा हुई
1) फिटर व्यवसाय के संबंधीकरण हेतु चर्चा

स्वयं के द्वारा फिटर व्यवसाय के संबंधीकरण
चर्चा करते हुये अनन्य सदस्यों के सम्मुख रखा कि रूप में
फिटर व्यवसाय में एक लेख महीन काम को दर्शाते हुये
संबंधीकरण नहीं किया गया था जिस पर अध्यक्ष महोदय ने
लेख महीन खरीद करे हेतु संचालक संचालनालय राजगार
एवं उधिसण से अनुमति हेतु कहा, जिसे सर्वसम्मति से
पास किया गया और सभी सदस्यों से अनुमति मिलने पर कदम
करे हेतु सलाह दिया । जिसका शुभान उधिसणार्थीयो द्वारा सुभव
पेयी के लिखित रूप में प्राप्त था जिसका अंश का लेखा किया गया ।

2) नवीन भवन में प्राप्त किये जाने वाले नवीन व्यवसायों के संबंधीकरण हेतु चर्चा

स्वयं द्वारा एजेडा विन्दु 2 पर चर्चा प्रारंभ करते
हुये बताया गया कि आई० एम० सी० द्वारा प्रारंभ किये जाने
वाले नवीन व्यवसाय के संबंधीकरण होना है जिस पर एनेचरणा
भरपुर संचालक संचालनालय राजगार एवं उधिसण सयपुर में
जा कर साथ ही सगरन्त आवश्यक कार्यवाही रणी किया जाके